

मासिक धर्म अवकाश

प्रलिस के लयः

जनहति याचिका, महिलाओं का मासिक धर्म अवकाश का अधिकार और मासिक धर्म स्वास्थ्य उत्पादों तक नःशुल्क पहुँच वधियक, 2022

मेन्स के लयः

महिलाओं से संबंधित मुद्दे, भारत में मासिक धर्म अवकाश के प्रयास ।

चर्चा में क्यों?

भारत के [सर्वोच्च नयायालय](#) ने देश भर में श्रमकों और छात्रों के लयि मासिक धर्म अवकाश से संबंधित एक [जनहति याचिका](#) को खारजि कर दया ।

- नयायालय ने इसे एक नीतगित मामला बताया और कहा कमासिक धर्म के दौरान तकलीफ के लयि अवकाश के अलग-अलग आयाम हैं और यह नयिकताओं को महिला कर्मचारयों को कार्य पर रखने से हतोत्साहति कर सकता है

वशिव सूतर पर मासिक धर्म अवकाश हेतु कसि प्रकार की नीतयिँ लागू हैं?

- परचियः
 - मासिक धर्म अवकाश जसि मासिक चक्र अवकाश के रूप में भी जाना जाता है, उन सभी नीतयिँ को संदर्भति करता है जो महिला कर्मचारयों या छात्राओं को मासिक धर्म में दर्द या परेशानी के कारण अवकाश की अनुमतद देता है ।
- मासिक धर्म अवकाश को बढ़ावा देने वाले देशः
 - स्पेन, जापान, इंडोनेशया, फलपींस, ताइवान, दक्षणि कोरया, ज़ाम्बया, दक्षणि कोरया और वयितनाम ।
 - स्पेन पहला यूरोपीय देश है जो महिला कर्मचारयों को मासिक धर्म में सवेतन अवकाश प्रदान करता है, जसिमें प्रतमाह तीन दनि का अवकाश अधिकार शामिल है, जसि बढ़ाकर पाँच दनि कया जा सकता है ।

मासिक धर्म अवकाश हेतु भारत में प्रयासः

- भारत में कुछ कंपनयों ने [मासिक धर्म अवकाश नीतयिँ](#) पेश की हैं, जसिमें ज़ोमैटो भी शामिल है, जसिने वर्ष 2020 में प्रतवर्ष 10 दनि की सवेतन अवधके अवकाश की घोषणा की ।
 - स्वगी और बायजू जैसी अन्य कंपनयों ने भी इसका अनुसरण कया है ।
- बहिर और केरल मात्र ऐसे भारतीय राज्य हैं जनिहोंने महिलाओं हेतु मासिक धर्म अवकाश नीतयिँ पेश की हैं ।
 - बहिर की नीतवर्ष 1992 में पेश की गई थी, जसिमें महिला कर्मचारयों को प्रत्येक महीने दो दनि का मासिक धर्म अवकाश दया जाता था ।
 - केरल ने हाल ही में घोषणा की किराज्य के उच्च शकिसा वभाग के तहत वशिवदयालयों में छात्राओं को मासिक धर्म और मातृत्व अवकाश प्रदान कया जाएगा और केरल के एक वदयालय ने भी इसी प्रकार की प्रणाली शुरू की है ।

मासिक धर्म अवकाश के संबंध में कयिँ जा रहे वधायी उपायः

- बीते समय में कयिँ गए प्रयासः
 - संसद में मासिक धर्म अवकाश और मासिक धर्म स्वास्थ्य उत्पाद वधियक पेश कयिँ गए हैं,लेकनि उन पर मुहर लगना अभी तक बाकी है ।
 - उदाहरण के लयि मासिक धर्म लाभ वधियक, 2017' और महिला यौन, प्रजनन एवं मासिक धर्म अधिकार वधियक 2018

- **महिलाओं को मासिक धर्म अवकाश का अधिकार और मासिक धर्म संबंधी स्वास्थ्य उत्पादों तक मुफ्त पहुँच वधियक, 2022:**
 - प्रस्तावित वधियक मासिक धर्म की अवधि के दौरान महिलाओं और ट्रांस महिलाओं के लिये तीन दिनों के सवैतनिक अवकाश का प्रावधान करता है और इसे छात्राओं के लिये भी लाभकारी बनाने का प्रयास करता है।
 - वधियक में अनुसंधान का हवाला दिया गया है जो इंगति करता है कि लगभग **40% लड़कियाँ पीरियड्स के दौरान स्कूल नहीं छोड़ती** हैं तथा लगभग **65% ने कहा कि इसका स्कूल में उनकी दैनिक गतिविधियों पर प्रभाव पड़ता है**।

[स्रोत: द द्रि](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/menstrual-leaves>

